सिक्किम विश्वविद्यालय
स्थापित: 2007

Volume: VII
Issue:VII
Nov & Dec 2019

सिक्किम विश्वविद्यालय क्रॉनिकल

संपादकीय

प्रिय पाठक,
मुझे एसयू क्रॉनिकल के नवंबर और दिसंबर अंक को प्रस्तुत करते हुए आनंद हो रहा है। नवंबर का महीना विश्वविद्यालय के इतिहास में काफी महत्वपूर्ण रहा है क्योंकि हमने विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद का स्वागत किया।
हम दिनांक ५ दिसंबर २०१९ को काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रो. ज्योति प्रकाश तामांग को २०१९-२१ के लिए प्रतिष्ठित माउंटेन चेयर उपाधि से सम्मानित किए जाने पर बधाई देते हैं।
सहयोगी अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिनांक १४ नवंबर २०१९ को सिक्किम विश्वविद्यालय और एसएमयू के बीच एक सहमति ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए थे।
मुझे उम्मीद है कि हम आने वाले दिनों में इस तरह के कार्यक्रमों और गतिविधियों के साक्षी बने रहेंगे।

कुंजिनी प्रकाश दर्नाल

पाँचवाँ दीक्षांत समारोह २०१९

सिक्किम विश्वविद्यालय का पाँचवाँ दीक्षांत समारोह दिनांक ३ नवंबर, २०१९ को मनन केंद्र, गंगटोक में आयोजित किया गया था। दीक्षांत समारोह के दौरान भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह में सिक्किम के माननीय राज्यपाल और सिक्किम विश्वविद्यालय के मुख्य रेक्टर श्री गंगा प्रसाद और माननीय मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तामांग (गोले) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) डी. बी. शेकटकर ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की। दीक्षांत समारोह के दौरान वर्ष २०१७, २०१८ और २०१९ में उत्तीर्ण हुए छात्रों को उपाधि प्रदान किया गया। २०० से अधिक छात्रों को स्वर्ण और रजत पदक से सम्मानित किया गया। १२२ स्वर्ण पदकों में से ७४ लड़कियों ने प्राप्त किए। भारत के राष्ट्रपति ने व्यक्तिगत रूप से ११ पदक विजेताओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए।

3 नवंबर 2019 को मनन केंद्र, गंगटोक में दो चरणों में दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। पहले चरण में वर्ष 2019 में उत्तीर्ण हुए छात्रों को डिग्री और पदक प्रदान किए गए। दीक्षांत समारोह का दूसरा चरण उन छात्रों के लिए था जो वर्ष 2017 और 2018 में उत्तीर्ण हुए थे।

- **इस अंक में :**
- संपादकीय
- पाँचवाँ दीक्षांत समारोह २०१९
- शैक्षिक मनोविज्ञान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी
- सिक्किम विश्वविद्यालय में संगीत कार्यशाला
- दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार
- सिक्किम विश्वविद्यालय और एसएमयू के बीच सहमति ज्ञापन
- द टेम्पेस्ट
- प्रो. ज्योति प्रकाश तामांग **को** अंतर्राष्ट्रीय मान्यता

Mailing Address: suchronicle@cus.ac.in

शैक्षिक मनोविज्ञान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

शिक्षा विभाग ने दिनांक ११ और १२ नवंबर २०१९ को "शैक्षिक मनोविज्ञान में हाल के रुझानों" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र दिनांक ११ नवंबर २०१९ को विश्वविद्यालय के कावेरी हॉल में आयोजित किया गया था। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग के शिक्षा विभाग के डॉ. एसए म संगोह उपस्थित थे। मुख्य भाषण डॉ. विमल किशोर, एसोसिएट प्रोफेसर और डीन, शिक्षा विद्यापीठ, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया था। उद्घाटन समारोह की कार्यवाही की अध्यक्षता जीवन विज्ञान विद्यापीठ के डीन और विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रोफ़ेसर ज्योति प्रकाश तामांग ने की। सेमिनार का उद्देश्य शैक्षिक मनोविज्ञान में हाल के रुझानों पर ध्यान केंद्रित करना और शैक्षिक मनोविज्ञान के सुधारों में पुनरावृत्ति करने वाले कई विषयों की खोज करना है। इसका उद्देश्य शिक्षाविदों और अनुसंधान विद्वानों को शैक्षिक मनोविज्ञान के दायरे में बदलते परिदृश्य पर विचार करने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

सिक्किम विश्वविद्यालय में संगीत कार्यशाला

संगीत विभाग ने दिनांक 13 मई से 16 नवंबर 2019 तक पद्मश्री फैयाज वसीफुद्दीन डगर द्वारा ध्रुपद संगीत और संगीत नाटककौमी पुरस्कार विजेता मैसूर मंजूनाथ द्वारा संगीत वाद्ययंत्र- वायलिन पर चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन समारोह 13 नवंबर 2019 को विश्वविद्यालय के कावेरी हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री इंद्र हांग सुब्बा, माननीय सांसद, लोक सभा, सिक्किम उपस्थित थे। पद्मश्री फैयाज वसीफुद्दीन डगर ध्रुपद शैली के प्रसिद्ध भारतीय शास्त्रीय गायक और ध्रुपद गायक उस्ताद नासिर फैयाजुद्दीनगर के पुत्र हैं। उन्हें वर्ष 2010 में प्रतिष्ठित पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता मैसूर मंजूनाथ एक भारतीय वायलिन वादक हैं। उन्होंने बड़े पैमाने पर यात्रा की और पूरे विश्व में प्रदर्शन किया। वह इस वाद्ययंत्र पर सबसे लोकप्रिय संगीतकारों में से एक हैं और विशेष रूप से युवा पीढ़ी के साथ अपने रचनात्मक सुधारों के लिए लोकप्रिय हैं। वह भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्राप्त करने वाले सबसे कम उम्र के प्राप्तकर्ता हैं। कुलपति प्रो. अविनाश खरे संगीत वादक का विश्वविद्यालय में स्वागत करते हुए बेहद खुश थे और उम्मीद किए थे कि कार्यशाला छात्रों को अनेक तरह से लाभान्वित करेगा।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार

इतिहास विभाग ने दिनांक १४ और १५ नवंबर २०१९ को "सिक्किम के लोगों के इतिहास और परंपराओं को फिर से परिभाषित करना" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। सेमिनार का उद्घाटन समारोह १४ नवंबर, २०१९ को सम्मेलन हॉल, बराद सदन में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्रीस में भारत के पूर्व राजदूत ग्रीस के श्री सेवाङ्ग टोपडेन थे। मुख्य भाषण जीवन विज्ञान विद्यापीठ के डीन प्रो. ज्योति प्रकाश तामांग द्वारा दिया गया। प्रो. तामांग ने सिक्किम के जातीय भोजन और भारत और दुनिया के अन्य हिस्सों के जातीय किण्वित भोजन के साथ उनकी समानताएँ बताईं। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता कुलसचिव श्री टी. के. कौल ने की। सिक्किम का इतिहास स्वदेशी लोगों के पारंपरिक ज्ञान, तिब्बतियों के साथ उनके मुठभेड़ों और बातचीत और नामग्याल राजवंश, ब्रिटिश और मिशनरियों की शिक्षा और शासन प्रणाली और भारत की संघ की राजनीतिक संस्कृति और प्रणाली के अंत तक फैला हुआ है। १६४२ के बाद से नामग्याल राजवंश के चोग्याल ने शासन किया, सिक्किम के पूर्ववर्ती भू-स्खलन राज्य १९७५ में भारत संघ के २२ वें राज्य के रूप में विलय हो गया। सिक्किम में ब्रिटिश राजनीतिक अधिकारियों की उपस्थिति और उनकी नीतियों ने राज्य के इतिहास में कई बदलाव लाए, जिसका स्थायी प्रभाव पड़ा। सिक्किम के इतिहास और संस्कृति को समझने के लिए नेपाल, भूटान और तिब्बत जैसे पड़ोसी राज्यों के साथ सिक्किम के संबंध को जानना आवश्यक है। सिक्किम में लोकतांत्रिक आंदोलन और राजनीतिक दलों के उदय ने अवसरों के ढेर और सिक्किम के इतिहास में एक नया अध्याय खोला है। संगोष्ठी का उद्देश्य जीवन शैली, सांस्कृतिक प्रथाओं और ज्ञान प्रणालियों का वर्णन करना है जो शिक्षाविदों द्वारा अनछुए हैं और अभ्यास के रूप में इतिहास और परंपराओं को फिर से परिभाषित करने के लिए विद्वानों को प्रोत्साहित करते हैं। सेमिनार का उद्देश्य सिक्किम के लोगों के इतिहास और परंपराओं के विभिन्न पहलुओं को देखना है।

सिक्किम विश्वविद्यालय और एसएमयू के बीच सहमति ज्ञापन

सिक्किम विश्वविद्यालय और सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय के बीच 14 नवंबर 2019 को एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एसयू और एसएमयू दोनों ने विज्ञान और इंजीनियरिंग, प्रबंधन और चिकित्सा और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान के एक या अधिक विषयों में अनुसंधान और शिक्षा में अपनी ताकत को पहचानने के लिए संबंधों और आपसी समझ को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता किया है। इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालय आपसी सहयोग के विषयों पर संयुक्त रूप से संगोष्ठियों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं को आयोजित करने के लिए अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयुक्त रूप से संलग्न करके शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने और विकसित करने की तलाश करते हैं। एसयू और एसएमयू अपनी शैक्षिक और अनुसंधान गतिविधियों के लिए प्रासंगिक अन्य साहित्य और अनुसंधान और प्रशिक्षण/शिक्षण सामग्रियों के संबंध में जानकारी के आदान-प्रदान के अवसरों की खोज करने के लिए भी सहमत हैं।

द टेम्पेस्ट

दिनांक २६ नवंबर २०१९ को अंग्रेजी विभाग ने अपराह्न ३ बजे मनन केंद्र में शेक्सपियर के नाटक "द टेम्पेस्ट" का मंचन किया। स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के छात्रों को इन-हाउस प्रॉडक्शन का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया था। स्थानीय शरीफ लोग और संस्कृति विभाग, सिक्किम सरकार के सचिव एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे। यद्यपि यह सर्वविदित है कि शेक्सपियर के सभी नाटकों में तीन घंटे लगते हैं, लेकिन यह नाटक एक घंटे की अवधि के लिए छोटा था, जो उत्पादन से संबंधित तकनीकीताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया था। नाटक को उसके षड्यंत्रकारी भाई द्वारा उसके राज्य से बाहर निकाल दिए जाने के बाद प्रोस्परिना के बदला के चारों ओर घूमता है। इसमें जादू और रोमांस शामिल था और ये ऐसे तत्व थे जिन्हें निर्माण में रेखांकित किया गया था। यह निर्माण विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा किया गया पहला पहल था। कुलपति और नाटक के संरक्षण प्रो. अविनाश खरे ने समकालीन समय में अंग्रेजी भाषा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस क्षेत्र में रंगमंच की संस्कृति को जीवित रखने में मदद करने के लिए विभाग के प्रयासों की भी प्रशंसा की।

प्रो. ज्योति प्रकाश तामांग को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता

प्रो. ज्योति प्रकाश तमांग, डीन, जीवन विज्ञान विद्यापीठ को ५ दिसंबर २०१९ को काठमांडू में इंटरनेशनल सेंटर फ़ॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीएमओडी) के महानिदेशक डॉ डेविड मोल्डेन द्वारा वर्ष २०१९-२१ के लिए प्रतिष्ठित माउंटेन चेयर उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह एक प्रमुख उपाधि है जिसे हिंदू कुश हिमालयी क्षेत्र में पहाड़ के मुद्दे पर उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड और पर्याप्त अनुभव रखनेवाले एक प्रमुख विद्वान को प्रदान किया जाता है। इस उपाधि का उद्देश्य हिंदू कुश हिमालयी क्षेत्र में सतत पर्वतीय विकास के लिए ज्ञान साझा करने और सहयोगात्मक पुनर्विक्रेता प्रशिक्षण के माध्यम से संस्थागत क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अंतर-विश्वविद्यालयीय सहयोग को बढ़ावा देना है। वरिष्ठ विशेषज्ञों के एक अंतरराष्ट्रीय पैनल द्वारा शैक्षणिक प्रोफाइल और प्रस्तावों और मौखिक साक्षात्कार की कठोर समीक्षा के माध्यम से चयन समिति ने पूर्वी हिमालय में जातीय लोगों के किण्वित खाद्य पदार्थों के सूक्ष्म जैविक अध्ययन में प्रो. तामांग की उत्कृष्ट उपलब्धियों की सराहना की। इसने प्रेरक भूमिका मॉडल को भी मान्यता दी कि प्रो. तामांग एक विद्वान के रूप में आगे बढ़े हैं, जिन्होंने स्वदेशी ज्ञान और कल्याण के प्रलेखन और प्रचार के लिए अपने करियर को समर्पित किया है।